स्वास्थ्य और विज्ञान की उत्तम पत्रिका

विज्ञान प्रगति पत्रिका का मार्च 2016 अंक बहुत ज्ञानवर्धक व रोचक रहा। इस अंक ने यह साबित कर दिया की विज्ञान प्रगति पत्रिका विज्ञान के साथ-साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र की अनोखी पत्रिका है। इस अंक में 'ज़ीका का बढ़ता जाल' आलेख पढ़कर स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत कुछ जानकारी मिली। विशेष लेख 'सेल्फी टशन या टेंशन', अंगूर एवं उसके मूल्यवर्धित उत्पाद सहित कई अन्य आलेख पढ़कर स्वास्थ्य सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारी मिली जो आज तक किसी अन्य पत्रिका में पढ़ने को नहीं मिली थी। इसके लिए मैं सम्पादक समूह को तहे दिल से साधुवाद देता हूँ और आशा करता हूँ कि इसी तरह नया, रोचक व ज्ञानवर्द्धक अंक प्रकाशित होता रहे।

डॉ. सत्य प्रकाश सुपुत्र डॉ राम विष्णु प्रसाद, ग्राम-बरवां पो.-मीरगंज, जिला-गोपालगंज 841438 (बिहार)
[मो. : 09471040259;
ई-मेल :satyaprakashsahara@gmail.com]

प्रकाशमयी पत्रिका

मैं विगत तीन वर्षों से विज्ञान प्रगति की नियमित पाठिका हूँ। विज्ञान प्रगति पढ़ने के पहले मेरी विज्ञान के प्रति रुचि बहुत कम थी लेकिन अब मुझे विज्ञान से संबंधित विषयों को पढ़ने में रुचि होने लगी है। मुझे लगता है कि यह पत्रिका प्रत्येक छात्र के लिए एक प्रकाशमयी पत्रिका का काम कर रही है मुझे मार्च 2016 का अंक बहुत पसंद आया। इस अंक की आमुख कथा 'ज़ीका का बढ़ता जाल' बहुत पसंद आया। 'ज़ीका' वायरस के बारे में मैंने पहले कभी नहीं सुना था। यह वायरस नन्हें बच्चों के लिए बहुत ही खतरनाक सबित हो रहा है।

विज्ञान प्रगति की भाषा बहुत ही सरल व प्रंशसनीय है। इस पत्रिका का ले-आउट व डिज़ाइन भी बहुत आकर्षक है। लिखित सामग्री के साथ दिए गए रंगीन फोटोग्राफ पत्रिका में चार चांद लगाते हैं। यह पत्रिका विज्ञान वर्ग के छात्रों के साथ-साथ सभी के लिए उपयोगी लगती है। मेरे साथ-साथ मेरे परिवार के सभी सदस्य इस पत्रिका को पढ़ते हैं।

सुश्री कुमारी श्वेता
कक्षा - 12, बी-26, सेक्टर- 37, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)

अनमोल पत्रिका

विज्ञान प्रगति मार्च 2016 का मनोहारी अंक पढ़ने का अवसर मिला। यह पत्रिका विज्ञान जगत की जानकारी देने वाली अनमोल पत्रिका है अपने छात्र जीवन से ही मैं इसका पाठक एवं प्रशंसक रहा हूँ। बांस के बारे में अनूठी जानकारी देकर पत्रिका में जो ज्ञान वर्धन किया है उसकी जितनी भी सराहना की जाए कम है। फूलों के औषधीय गुणों के बारे में भी नई और ज्ञानवर्धक जानकारियां मिली है। निश्चित तौर पर इस पत्रिका के अध्ययन से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों तथा विज्ञान के क्षेत्र में रुचि रखने वालों को भरपूर उपयोगी सामग्री मिलती रहेगी। शानदार प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं स्वीकार करें।

श्री राघवेन्द्र शुक्ल
ग्राम-बक्सर, पोस्ट-देवापार, जिला-बस्ती 272302
[मो. : 09670219191]

ज्ञानवर्धक पत्रिका

विज्ञान प्रगति का मार्च 2016 के अंक में 'सेल्फी : टशन या टेशन' पर केन्द्रित लेख बेहद ज्ञानवर्द्धक व उपयोगी लगा। 'विज्ञान प्रगति' ने भारत ही नहीं दुनिया भर में सेल्फी को लेकर चल रहे चक्कर को एक-एक कर पाठकों के सामने रखा, निश्चित ही इससे सेल्फी के प्रति लोगों की दीवानगी जो पागलपन की हद तक बढ़ चुकी है कम होगी, बेशक! इतने अच्छे रोचक, ज्ञानवर्धक लेख के लिए विज्ञान प्रगति के यशस्वी लेखक विजय कुमार पाण्डेय जी को ढेरों बधाईयां। इस लेख से निश्चित ही बहुत बड़ा पाठक वर्ग लाभान्वित होगा।

डा. वी.के. वर्मा, आयुष चिकित्सक
जिला- चिकित्सालय-बस्ती प्रबन्धक-पटेल एस.एम. एच. हास्पिटल एण्ड आयुर्वेदिक पैरा मेडिकल कालेज गोटवा (कटया) बस्ती, जनपद-बस्ती- 272001 (उ.प्र.) [मो. : 09415163328]

ज्ञान भण्डार

विज्ञान प्रगति लाता हर बार,
अक्षय ज्ञान का भण्डार।
इससे मिलते लाभ अनेक,
पढ़ते हैं नियमित प्रत्येक।
मार्च 2016 अंक का क्या कहना,
लगती है उपयोगी गहना।
ज़ीका से शुरू अंक,
इसके खतरे से सब दंग।
मच्छर हैं दुनिया में छाये,
कोई न इससे हमें बचाये।
कितने भी हैं तौर तरीके,
हर गये सब मच्छर जीते।
चल रहा स्वच्छ भारत अभियान,
देते हैं सब इसपर ध्यान।
मच्छर की है कई प्रजाति,
अलग-अलग है सबकी बात।
सबके अलग-अलग हैं खतरे,
मानव असहाय सा ठहरे।
खोज रहे वैज्ञानिक हल,
लगे हुए हैं सब हर पल।

श्री कृष्ण कुमार उपाध्याय, एडवोकेट संस्थापक अध्यक्ष, रसोई गैस उपभोक्ता कल्याण समिति (उ.प्र.) कार्यालय- जनपद बार एसोसिएशन, बस्ती, जनपद- बस्ती 272001 (उ.प्र.),
[मो. : 09839987104, 07275256233]